SHRI P. K. THUNGON : Sir, so far as the first part of the question is concerned, it is a continuous process to the extent that the NBCC is concerned. You will be glad to know that this organisation was set up in the year 1960. And, Sir, since then it has gradually progressed. The authorised capital is Rs. 20 crore and the paid up capital is Rs. 19.94 crores.

SHRI CHATURANAN MISHRA : This was not the qunestion, Sir... *(Interruptions)*.. .

SHRI P. K. THUNGON : Sir, it is a continuous process. . . *(Interruptions)* . .

SHRI CHATURANAN MISHRA : If you go into the history, then the Members will also go into the geography !.. .*(Interruptions)*... It was a pointed question and you should come to it.

SHRI P. K. THUNGON : It is a continuous process and, therefore, I do not want to go into the details. As I said, it is a continuous process. On the basis of that, the technical capability of this Company has been upgraded. Accordingly, on this score, we arte at it and the Company is upgrading its technical know-how, etc.

As regards handing over the contract to the private people, so far as the NBCC *is* concerned, we do have back-to-back contract... *(Interruptions)*.. . The NBCC takes contract from other organizations and from those organizations the original contract is taken. For example, in the case of Gujarat, contracts No. 1 and No. 2 the NBCC has taken from the Gujarat PWD and some of these were given to some other organization as subcontract or back-to-back contract. So, this is the system and this system is working well. If there are certain problems of arbitration and such other things, they should be speeded up. I quite agree with the honourable Member But then these are not regular things. They are very special or occasional problems and the} are not regular problems.

श्री जितेन्द्रभाई लाभशंकर भट्ट : माननीय सभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि कांट्रैक्ट नंबर चार, पांच और छः में ओरिजिनल डेट आफ कंप्लीशन क्या और वह कब कंप्लीट होने वाले हैं ?

SHRI P. K. THUNGON : So far as contracts No. 3 and No. 4 are concerned, I have already stated the date of completion. So far as contracts No. 1 and No. 2 are concerned, I may have to take a longer time to explain it because this contract is no longer in existence.. ..*(Interruptions*^... This contract was rescinded by the PWD. If you want me to explain it further, it will take time. Otherwise this is no longer an existing contract with NBCC.

SHRI JITENDRABHAI LABHSHAN-KER BHATT : What about contracts No. 5 and No. 6 ? When will they be completed ?

SHRI P. K. THUNGON : Contracts No. 5 and 6 are not with us, not with the NBCC, but with some other organization.

MR. CHAIRMAN : All right. Question No. 345. Mr. Satish Pradhan.

*345. *[The questioner (Shri Satish Pradhan) was absent, for answer vide Cols .....infra.]*

MR. CHAIRMAN : Question No. 346. Mr. Pramod Mahajan.

Modification of the 15-point programme for Minorities

*346. SHRI PRAMOD MAHAIAN : Will the Minister of WELFARE be pleased to state :

(a) whether it is a fact that Government propose to modify the 15-point programme for Minorities;

(b) if so, what are the reasons therefor; and

(c) what are the details of the new programme ?

THE MINISTER OF STATE IN THE MINISTRY OF WELFARE (SHRI K. K. THANGKABALU) : (a) Yes Sir.

(b) The recasting of the 15-Point Prog-/ ramme aims at making the Programme more effective in realising its objectives.

(c) The matter is under consideration.

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, सरकार के उत्तर से यह स्पष्ट हो जाता है कि अल्पसंख्यकों के संबंधी वर्तमान 15 सूत्री कार्यक्रम

उसके उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए कम प्रभावी रहा है । सरकार जिसे कम प्रभावी मानती है अल्प-संख्यक उसे लगभग निष्प्रभावी मानते हैं और जब जब पुनर्निर्माण की बात हो रही है तो मैं सरकार से यह जानना चाहूंगा कि यह जो वर्तमान 15 सूत्री कार्यक्रम था, क्या इसका कोई सरकार ने मूल्यांकन किया है ? इस मूल्यांकन में ऐसे वे कौन से उद्देश्य हैं जिसकी पूर्ति इस कार्यक्रम द्वारा नहीं हो रही है, इसलिए आप इसमें परिवर्तन करना चाहते हो और उसके साथ-साथ यह कमी का कारण क्या है ? सरकार के दृढ़ निश्चय में कमी है या सरकार की कार्यान्वयन की व्यवस्था में कमी है, जिसके कारण उद्देश्य पूरे नहीं हो रहे हैं ? यह सरकार से मैं जानना चाहूंगा ।

कल्याण मंत्री (श्री सीताराम केसरी) : मान्यवर, 15 सूत्रीय कार्यक्रम के मूल्यांकन के आधार पर ही इसे रिकास्ट करने का फैसला किया गया और रिकास्ट करने के पूर्व हमने सभी प्रादेशिक सरकारों से संबंधित मंत्रियों की कांफरेंस बुलायी और उस कांफरेंस में यह निर्णय लिया गया कि 15 सूत्रीय कार्यक्रम को ज्यादा मजबूत और स्ट्रेथन करने के लिए, सबल बनाने के लिए रिकास्ट करना अनिवार्य है । दूसरी बात, आपने कही कि क्या इसमें कमी रह गयी है ? 15 सूत्रीय कार्यक्रम में कमी नहीं थी, मगर उसमें ताकत का अभाव था । उसको क्रियात्मक रूप देने के लिए जब हमने मूल्यांकन किया तो मुझे ऐसा लगा कि उसको और सबल बनाने के लिए सभी प्रादेशिक सरकारों के मंत्रियों को बुलाकर राय ली जाए और उसमें एकमत से यह फैसला हुआ कि इसको रिकास्ट किया जाए ।

श्री प्रमोद महाजन : अध्यक्ष जी, मैं दूसरा सवाल पूछूं या न भी पूछूं, इससे कोई फर्क नहीं पड़ता क्योंकि उत्तर आना ही नहीं है। मैंने इस कार्यक्रम को अधिक प्रभावकारी बनाने के लिए इसमें परिवर्तन पर कोई आपत्ति नहीं की है । यदि परिवर्तित कार्यक्रम भी असफल हो जाए जो उसको और सफल बनाने के लिए आप उसको पुनः-पुनः परिवर्तित कर सकते हैं। सवाल यह है कि इस कार्यक्रम की असफलता का कारण क्या है ? अगर इस असफलता का पता हम नहीं लगाएंगे तो हम कार्यक्रम का पुनर्निर्माण करके उसको सफल नहीं कर सकते । वह पुनर्निर्मांणित कार्यक्रम अगर असफल हो जाएगा तो फिर आप राज्यों को बुलाकर और एक पुनर्निर्माण कार्यक्रम करेंगे । तो कार्यक्रम की सफलता उसके पुनर्निर्माण पर निर्भर नहीं होती । जो भी कार्यक्रम था वह सफल करने के लिए क्या कमी रही, यह मेरा मूल प्रश्न है, लेकिन आपने मूल-प्रश्न का भी उत्तर नहीं दिया, पूरक प्रश्न का भी उत्तर नहीं दिया । मैं पुनः उसकी पुनरावृत्ति करता हूं और साथ-साथ मंत्री महोदय से, क्योंकि मुझे तीसरा पूरक प्रश्न पूछने को नहीं मिलेगा, इसलिए मैं यह पूछना चाहता हूं कि यह मामला आपके विचाराधीन है, यह कब तक विचाराधीन रहने की संभावना है क्योंकि पहला कार्यक्रम तो असफल हो चुका है, अब इसे सफल बनाने के लिए क्या कोई समिति विचार कर रही है, सरकार विचार कर रही है, क्या फिर राज्य सरकारों से बात होगी, क्या अल्पसंख्यक संस्थाओं से बात होगी और यह कब से जल्दी लागू किया जाएगा जिसके कारण अल्पसंख्यकों में सुरक्षा और न्याय का वातावरण निर्मित हो ?

श्री सीताराम केसरी : मान्यवर, 15 सूत्रीय कार्यक्रम जिस उद्देश्य के साथ बनाया गया था, जिस संकल्प के साथ बनाया गया था, उसको पूरा करने के लिए हर प्रयत्न किया गया है, इसमें कोई संदेह नहीं है । मगर आपने देखा 1984 के बाद, 85 के बाद दूसरी सरकार भी आई, उन्होंने भी राइट अफेक्टेड लोगों को जिनकी कि मृत्यु हो गयी थी और उनको जो मुआवजा देना चाहिए, उसमें बढ़ोतरी की । उसके बाद भी बढ़ोतरी होती रही । अब जहां तक कमी का सवाल है, मैं नहीं चाहता हूं मगर कुछ तत्व इस तरह के इस देश में रहे हैं जोकि 15 सूत्रीय

कार्यक्रम को असफल बनाने के लिए सदा कोशिश करते रहे । इसके बावजूद . . . (व्यवधान) . . .

श्री चतुरानन मिश्र : ऐसे कौन तत्व हैं ?

श्री सीताराम केसरी : आप प्रश्न कीजिए ।

मौलाना ओवैदुल्ला खान आजमी : यह हाउस के सामने आना चाहिए ।

श्री शंकर दयाल सिंह : माननीय मंत्री महोदय ने कहा कि कुछ ऐसे तत्व हैं, तो उनका नाम भी आपको बताना चाहिए ।

श्री चतुरानन मिश्र : आप नहीं कहेंगे तो हम लोग भी समझ जाएंगे ?

श्री दिग्विजय सिंह : इसमें हम लोग आपकी मदद करना चाहते हैं । हम देखेंगे कि आपकी मदद कैसे की जा सकती है ?

श्री रामदास अग्रवाल : ऐसा क्या किया उन्होंने जिससे कि कार्यक्रम असफल हो गया?

श्री प्रमोद महाजन : सभापति जी, इस पर तो श्वेत-पत्रिका आनी चाहिए कि सरकार के बाहर कौन तत्व हैं जो पूरी सरकार का कार्यक्रम असफल करते हैं । तो मैं तो इस पर श्वेत-पत्रिका की मांग करूंगा कल्याण मंत्री जी से ।

श्री भूलचंद मीणा : मंत्री जी जवाब दे रहे हैं . . . (व्यवधान) . . .

श्री प्रमोद महाजन : मीणा जी, अभी आप मंत्री नहीं बने हैं ।

AN HON. MEMBER : They are wasting time. It is an important question. *(Interruptions)*

MR. CHAIMAN : I think, the Minister can say generally what the deficiencies *were. ..(Interruptions).*

श्रीमती सत्या बहिन : आप की सरकार नहीं आने वाली है ।

श्री कैलाश नारायण सारंग : आपका नंबर बिल्कुल नहीं आएगा, सत्या बहिन ।

श्रीमती सत्या बहिन : कभी सरकार नहीं आने वाली है आपकी पार्टी की । . . . (व्यवधान) . . .

MR. CHAIRMAN : Please don't talk. Will you allow the Minister to speak if you want the answer ? You do want the answer obviously.

श्री सीताराम केसरी : मान्यवर, जैसा मैंने कहा कि पन्द्रह सूत्री कार्यक्रम वर्ष 1983-84 में इन्दिरा जी ने बनाया अल्पसंख्यकों के लिए, उनकी मर्यादा, उनकी सुरक्षा को देखते हुए और उनके लिए । जैसा मैंने कहा कि देश में, किसी संस्था विशेष के प्रति आरोप किए बगैर, कि तत्व ऐसे हैं, जिसकी वजह से सांप्रदायिक दंगे होते हैं । यह साफ है । इसे कहने की जरूरत नहीं है । इसलिए मैंने कहा—ऐसे तत्वों के कारण पन्द्रह सूत्री कार्यक्रम में रोड़ा अटकता रहा . . . (व्यवधान) . . ,

SHRI INDER KUMAR GUJRAL : May I interrupt ?

श्री सीताराम केसरी : आप क्वेश्चन कीजिएगा, प्लीज । हमें जवाब देने दीजिए। आप क्वेश्चन सब कोई कीजिए, हम बैठे हैं। हमें अभी उत्तर देने दीजिए । उत्तर के बाद जो प्रश्न आप कीजिएगा, मैं आपकी सेवा में उपस्थित हूं ।

एक माननीय सदस्य : अरे, कौन से तत्व, बताना कीजिएगा । . . . (व्यवधान) . . .

श्रीमती सत्या बहिन : वह आपके बगल में बैठे हैं । . . . (व्यवधान) . . .

श्री सीताराम केसरी : तो उन्होंने जो प्रश्न किया, जिनकी वजह से पन्द्रह सूत्री कार्यक्रम का मूल्यांकन किया, मूल्यांकन के उपरांत मैंने यह सोचा इसका विकास करना चाहिए, इसको और मजबूत करना चाहिए । इसमें जो तत्व पन्द्रह सूत्री कार्यक्रम की सफलता में अड़ंगा पैदा करते हैं, निश्चित रूप से वह असामाजिक रहे हैं ।

श्री प्रमोद महाजन : सर, यह कोई उत्तर नहीं है । अगर वह इतने प्रभावशाली हैं तो उस सुधार कार्यक्रम को भी खराब कर देंगे ।

SHRI INDER KUMAR GUJRAL : I am sorry to come in this. I have great respect for the hon. Minister and I have great respect for his commitment to secularism. The issue is not that. The issue is that 15-point programme was made for the social upliftment of a particular section of society. Riots are bad; there is no doubt about it. But how do the riots come in the way of giving account of what has been achieved and why this has not been achieved ? After all, 15-point programme has been: there for a number of years. I would suggest —he may not be ready today—let him come back again and tell us what are the failures in the administration and in the intention of the administration and why, that the programme is not taking off.

श्री सीताराम केसरी : मान्यवर, माननीय सदस्य ने, पन्द्रह सूत्री कार्यक्रम के अंतर्गत जो आर्थिक व्यवस्था है अल्पसंख्यकों के संबंध में, उस संबंध में उसकी उपलब्धि पूछी है। यहां तक उनकी शिक्षा का प्रबंध है, यहां तक उनकी भाषा के प्रोटेक्शन का संबंध है, इन सारी चीजों के बारे में किया है । उस दिशा में भी हमने मूल्यांकन किया और हमने देखा जितनी उपलब्धि उसके अनुसार होनी चाहिए थी, वह नहीं हुई । यह सत्य है । इसलिए मैंने इन्हीं सारी चीजों को अपनी दृष्टि में रखते हुए यह मूल्यांकन किया और पुनः विकास किया ।

श्री राम नरेश यादव : महोदय, माननीय मंत्री जी ने अपने उत्तर में यह कहा कि हमने इसकी समीक्षा की और समीक्षा करने के पश्चात् इस नतीजे पर पहुंचे कि कोई कमी नहीं है, लेकिन उसे और भी मजबूती देने का सवाल है । यह बात सही है कि पन्द्रह सूत्री कार्यक्रम निर्धारण करने के पीछे एक संकल्प था कि हमारे देश का जो अल्पसंख्यक समाज है, कैसे उसकी आर्थिक स्थिति ठीक हो, कैसे वह राष्ट्रीय धारा से जुड़े? यह सारी समस्याएं उसके पीछे थीं, लेकिन जैसा आपने कहा कि कुछ शक्तियां ऐसी थीं, जिनके कारण हम इसको जिस तरह से लागू करना चाहते थे, वह लागू नहीं कर सके । इसलिए मेरा माननीय मंत्री जी से यह सीधा प्रश्न है—(अ) वह कौनसी शक्तियां थीं, कौनसी सरकारें थी, जिन लोगों ने इस पन्द्रह सूत्री कार्यक्रम को आगे बढ़ाने में जो काम करना चाहिए था, वह नहीं किया और जिससे कि आपको पुनर्विचार करने की आवश्यकता पड़ी ? (ब) इस स्थिति को ठीक करने के लिए, महोदय, एक चीज मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं, जो बहुत ही आवश्यक है, जब उनकी आर्थिक स्थिति को ठीक करने की बात है, तो मैंने इसके पहले भी एक प्रश्न इसी सदन में उठाया था कि जैसे अनुसूचित जाति, जन-जाति के उत्थान के लिए वित्त विकास निगम बना हुआ है और आपने अभी पिछले दिनों पिछड़े वर्ग की जो बहुत दिनों से मंडल कमीशन की मांग थी, उसको ध्यान में रखते हुए पिछड़ा वर्ग वित्त विकास निगम की स्थापना की . . . **(व्यवधान)** . . . जरा सुनिए, मैं उसी बात पर आ रहा हूं । इस बात को ध्यान में रखते हुए हमारा जो अल्पसंख्यक समाज है, जिसके लिए 15 सूत्री कार्यक्रम है, आप क्या उसको गति देने के लिए माइनारिटीज के लिए वित्त विकास निगम की स्थापना करेंगे ? कुछ राज्यों में है, सेन्टर में नहीं है, लेकिन सेन्टर की केन्द्रीय सरकार क्या इस बात पर विचार करेगी और विचार करके, निर्णय लेकर उनकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ करने में सहयोग देगी, यह मैं जानना चाहता हूं ?

श्री सीताराम केसरी : मान्यवर, माननीय सदस्य का जो सुझाव है, रचनात्मक है और निश्चित रूप से मैं इस पर विचार करूंगा ।

श्री सभापति : मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी ।

श्री राम नरेश यादव : महोदय, मैं आपका संरक्षण चाहता हूं । कई बार कहा गया कि विचार करेंगे लेकिन कितना समय लगेगा विचार करने में, यह मैं जानना चाहता हूं ?

एक माननीय सदस्य : सवाल तो यही था आपका ।

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : सर, हमारे मिनिस्टर साहब के जवाब से यह उलझ कर रह गया है । एक सच्चाई को छिपाने के लिए हजारों * बोले जाएं तो वे * सच्चाई को

* Expunged as ordered by the Chair.

छिपा नहीं सकते । माइनारिटीज के लिए 1983-84 में, मिनिस्टर साहब के कौल के मुताबक, श्रीमती इन्दिरा गांधी जी ने माइनारिटीज को प्रोटेक्शन देने के लिए 15 सूत्री कार्यक्रम बनाया था । तो 15 सूत्री कार्यक्रम में वह 15 नुकात होंगे जिनके जरिए माइनारिटीज को ऊपर उठाया जाए---उसमें एजुकेशन होगा, पब्लिक सैक्टर में उनकी सर्विस होगी और भी सारी चीजें होंगी । मंत्री महोदय का यह बयान है कि कुछ तत्वों ने इस पर अमल नहीं करने दिया जिसकी वजह से यह प्रोग्राम असफल रहा । उन तत्वों का नाम जानने के लिए भी हाउस ने उनसे दरख्वास्त की और इशारे किनाए में यह बात बतलाने की कोशिश की गई कि बी. जे. पी. के लोग इस काम को असफल बनाने में हमेशा आड़े आते रहे, जिसकी वजह से माइनारिटीज को प्रोटेक्शन नहीं मिला । सर, मैं आपके जरिए यह सवाल करना चाहता हूं कि अपनी नाकामी को दूसरों पर थोपने के लिए अक्लियतों को कब तक बेवकूफ बनाया जाएगा इस मसले पर ? ...(व्यवधान)... मैं बहुत साफ बात कहना चाहता हूं । सर, मेरा सवाल यह है कि अफ्सरान जो हैं, क्या वे भी बी. जे. पी. के हैं ? जिन अफ्सरान के जरिए इस मसले पर अमल-दरामद कराना है, क्या वे भी आर. एस. एस. के हैं ? सेंटर में क्या बी. जे. पी. की सरकार है ? मैं आपके जरिए यह अर्ज करना चाहता हूं और यह सवाल करना चाहता हूं कि जिन अफ्सरान को 15 सूत्री कार्यक्रम की सूची दी गई होगी कि आप इस पर अमल कराओ, वे जिले के कलेक्टर होंगे या जिले के दूसरे अधिकारी होंगे, तो उन अधिकारियों ने जब उनको सरकार ने सूची दी कि 15 सूत्री कार्यक्रमों पर ये-ये अमल करो, तो उन अफ्सरों ने उस पर अमल किस तरह से कराया ?

مولانا عبیداللہ خاں اعظمی: سر ہمارے منسٹر صاحب کے جواب سے یہ الجھ کر رہ گیا ہے۔ ایک سچائی کو چھپانے کے لئے ہزاروں ... بولے جائیں تو وہ ... سچائی کو چھپا نہیں سکتے۔ مائنارٹیز کے لئے ۸۴-۱۹۸۳ میں

منسٹر صاحب کے قول کے مطابق شریمتی اندرا گاندھی جی نے مائنارٹیز کو پروٹیکشن دینے کے لئے ۱۵ سوتری کاریہ کرم بنایا تھا۔ تو ۱۵ سوتری کاریہ کرم میں وہ ۱۵ نکات ہوں گے جن کے ذریعہ مائنارٹیز کو اوپر اٹھایا جائے۔ اس میں ایجوکیشن ہوگا۔ پبلک سیکٹر میں اُن کی سروس ہوگی اور بھی ساری چیزیں ہوں گی منتری مہودیہ کا بیان ہے کہ کچھ تتوؤں نے اس پر عمل نہیں کرنے دیا۔ جس کی وجہ سے یہ پروگرام آسفل رہا۔ ان تتوؤں کا نام جاننے کے لئے بھی ہاؤس نے اُن سے درخواست کی اور اشارے کنائے میں یہ بات بتلانے کی کوشش کی گئی کہ بی۔جے۔پی کے لوگ اس کام کو اسفل بنانے میں ہمیشہ آڑے آتے رہے۔ جس کی وجہ سے مائنارٹیز کو پروٹیکشن نہیں ملا۔ سر۔ میں آپ کے ذریعہ یہ سوال کرنا چاہتا ہوں کہ اپنی ناکامی کو دوسروں پر تھوپنے کے لئے اقلیتوں کو کب تک بے وقوف بنایا جائے گا اس مسئلہ پر۔ ..."مداخلت"... میں بہت صاف بات کرنا چاہتا ہوں۔ سر میرا سوال یہ ہے کہ افسران جو ہیں کیا وہ بھی بی۔جے۔پی کے ہیں جن افسران کے ذریعہ اس مسئلہ پر عمل درآمد کرانا ہے کیا وہ بھی آر۔ایس۔ایس کے ہیں جن سینٹر میں کیا بی۔جے۔پی کی سرکار ہے۔ میں آپ کے ذریعہ

* Expunged as ordered by the Chair. f ( ] Transliteration in Arabic script.

یہ عرض کرنا چاہتا ہوں ——————

اور یہ سوال کرنا چاہتا ہوں کہ جن افسران کو ۱۵ سوتری کار یہ کرم کی سوچی دی گئی ہوگی کہ آپ اس پر عمل کراؤ۔ اور ضلع کے کلکٹر ہوں گے یا ضلع کے دوسرے ادھیکاری ہوں گے تو ان ادھیکاریوں نے جب اُن کو سرکار نے سُوچی دی کہ ۱۵ سوتری کار یہ کرم پر یہ عمل کرو تو ان افسروں نے اس پر عمل کس طرح سے کرایا۔

MR CHAIRAMAN: You have asked the question Please sit down

मौलाना अब्दुल्ला खान आजमी : मैं यह बात और अर्ज करना चाहता हूं कि पब्लिक के नुमाइंदों को इस प्रोग्राम के साथ सरकार किस तरह से जोड़ेगी और पब्लिक रिप्रजेन्टेटिव्स के साथ सरकार किस तरह से मश्विरा करके अल्पसंख्यकों को प्रोटेक्शन देगी ? अब तक क्या-क्या प्रोटेक्शन दिया है, किस-किस विभाग में दिया है ? अगर नहीं दिया है ...

مولانا عبید اللہ خاں اعظمی :۔ میں یہ بات اور عرض کرنا چاہتا ہوں کہ پبلک کے نمائندوں کو اس پروگرام کے ساتھ سرکار کس طرح سے جوڑے گی اور پبلک ریپریزینٹیٹیو کے ساتھ سرکار کس طرح سے مشورہ کر کے اپ سنکھیکوں کو پروٹیکشن دے گی۔ اب تک کیا پروٹیکشن دیا ہے کس کس ویبھاگ میں دیا ہے۔ اگر نہیں دیا ہے ....

MR. CHAIRMAN: You have asked the question. Please sit down.

मौलाना अब्दुल्ला खान आजमी : तो आगे किस तरह से देंगी, यह मेरा सवाल है ?

مولانا عبید اللہ خاں اعظمی :۔ تو آگے کس طرح سے دے گی۔ یہ میرا سوال ہے۔

श्री संघ प्रिय गौतम : और कल्याण मंत्री जी बी. जे. पी. के हैं क्योंकि उनका नाम सीताराम है ?

श्री सीताराम केसरी : मान्यवर, सबसे पहले मेरा आपसे निवेदन है कि * शब्द अन-पार्लियामेन्टरी है, * शब्द इन्होंने इस्तेमाल किया है। आप उसको असत्य कह दें।

MR. CHAIRMAN : It will be taken off.

मौलाना अब्दुल्ला खान आजमी : ठीक है, असत्य लिख दें उसे।

مولانا عبید اللہ خاں اعظمی :۔ ٹھیک ہے استیہ لکھ دیں اسے۔

श्री सीताराम केसरी : आपने * शब्द इस्तेमाल किया है, जो अनपार्लियामेन्टरी है। ...(व्यवधान) ...

श्री कैलाश नारायण सारंग : जो आप असत्य बोल रहे हों वह तो बताओ।

श्री सीताराम केसरी : मान्यवर दूसरी बात, मैंने किसी भी राजनीतिक दल का नाम नहीं लिया है। मेरे माननीय सदस्य महोदय ने नाम लेकर के अपनी मोहब्बत का इजहार किया है, मुझे इसकी भी शिकायत नहीं है। मैंने साफ कहा है कि 15-सूत्री कार्यक्रम को चूंकि ... (व्यवधान)

मौलाना अब्दुल्ला खान आजमी : यहां मैंने मोहब्बत का इजहार नहीं किया है, बल्कि आप जो अमल नहीं करवाते हैं उस पर से मैंने पर्दा उठाया है। मैंने मोहब्बत का इजहार नहीं किया है। :::(व्यवधान)... मुझे आपकी बेवफाई से शिकवा है। आपकी बेवफाई का

---

* Expunged as ordered by the Chair,

† [ ] Transliteration in Arabic script.

इजहार मैंने किया है । आपने वायदा किया था और उसको पूरा नहीं किया ।
...(Interruptions)...

MR CHAIRMAN : You are preventing him from giving on answer (Interruption) Please sit down.

श्री सीताराम केसरी : मान्यवर, चूंकि उन्होंने कहा है, मैंने इसलिए कहा कि मौहब्बत का इजहार किया है । जब कभी चुनाव आता है तो दोनों साथ मिलकर के लड़ते हैं । इसलिए मैंने कहा कि मौहब्बत का इजहार किया है .... (व्यवधान)

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : सर, यह हमारे सवाल का जवाब नहीं है और अगर इस तरह का सियासी जवाब दिया जाएगा तो उनके यहां .... (व्यवधान)

सर, हमारे सवाल का जवाब दिलवाइए। .... (व्यवधान) हमारे सवाल का जवाब नहीं मिला । .... (व्यवधान) हमको हमारे सवाल का जवाब चाहिए ।

MR. CHAIRMAN : Are you answering? I am asking Mr. Muthu Mani. (Interruptions).

SHRI S. MUTHU MANI : Sir,...

SHRI P. UPENDRA : He has not answered the question. What are the reasons for administrative failure ? He has not answered the Question.

मौलाना ओबैदुल्ला खान आजमी : जब इस सवाल के साथ यह हो रहा है तो मायनोरिटी के साथ क्या होता होगा, सर? जब इस सवाल के साथ यह तमाशा हो रहा है, सर, तो मायनोरिटी के साथ क्या तमाशा नहीं होता होगा? सर, मुझे जवाब चाहिए ।

SHRI MOHD. KHALEELUR RAHMAN : You ask the Minister to answer the question. This is not the answer. What are the reasons ?

MR. CHAIRMAN : Please, sit down. (Interruptions).

MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : What is he replying? He gave The same kind of reply... (Interruptions).

MR. CHAIRMAN : If you want an answer, you must sit down. Will you please sit down ? (Interruptions). Will you please sit down? Yes, Mr. Muthu Mani.

SHRI SOMAPPA R. BOMMAI : The hon. Member has asked a specific question, instead of answering the specific question, the Minister is trying to politicalise the answer. He should answer.

MOHAMMED AFZAL *alias* MEEM AFZAL : We want your protection. He has not replied properly.

ऐसे ही एक सवाल पहले भी पूछा गया था तो मिनिस्टर ने इसी अन्दाज में जवाब दिया था । यह बहुत ही शर्मनाक रवैया है। सर, यह बहुत ही शर्मनाक रवैया है । .... (व्यवधान) पिछले हफ्ते भी मायनोरिटी के ताल्लुक से जब सवाल किया गया तो इससे पहले भी रूलिंग पार्टी के मिनिस्टर ने उसको टालने की कोशिश की और उसको पॉलिटिसाइज करने की कोशिश की ।

SHRI V. NARAYANASAMY : The Minister has answered. It was a political reply to a political question.

SHRI P. UPENDRA : The question was very specific. He should answer that. What are the reasons for... (Interruptions).

MR. CHAIRMAN : If there is anything specific, you can answer.

SHRI S. MUTHU MANI: Sir, you have permitted me. (Interruptions). Therefore, I would like to know whether the Centre will provide funds to the States to be utilized for the welfare of the minorities.

MR. CHAIRMAN : Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO QUESTIONS

Package to develop agricultural infrastructure

*342. DR. SANJAYA SINH : Will the Minister of AGRICULTURE be pleased to state :

(a) whether Government have announced a Rs. 500 crore package to develop agricultural infrastructure for the small and mar-ginal farmers; and